

## असाधारण EXTRAORDINARY

মান II—স্বত্ত ও—রত-স্বত্ত (i) PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 326] नई बिल्ली, बृहस्पतिबार, जूम 22, 1989/म्रावाहः 1, 1911 No. 326] NEW DELHI, THURSDAY, JUNE 22, 1989/ASADHA 1, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती ही जिससे कि यह अक्ष्म संकारन के रूप में रक्षा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as \* separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचनाएं

नई बिल्लो, 22 जून, 1989

सं. 188/189-सीमाश्हक

मा. का. नि. 636(ग्र).—केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क ग्रधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त गविनयों का प्रयोग करते हुए, यह

(1)

हो जाने पर कि लो इहित में ऐसा करना ग्रावश्यक है, मारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्य विभाग) की ग्राधसूबना सं. 243/88-सीमाशुल्क तारीख 1 सिप्तम्बर, 1988 में निम्तलिखित ग्रीर संशोधन करती है, ग्रायांत्:——

उक्त श्रिधिसूजना से उपाबद्ध सारणी में, क्रम सं 1 के सामने स्तम्म (3) में, मव (xii) श्रीर उससे संबंधित प्रविध्ति के स्थान पर निम्नलिखित मव श्रीर प्रविध्ति रखी जाएगी, प्रर्थात्:—

"(xii) कम लौह धन्तर्वस्सु ग्रीर 90 प्रतिशत ग्रयथा उत्तते ग्रधिक की पारगम्यता सिंहत वर्मलित कीच।"।

[फा. सं. 346/95/89-दी भारयू]

#### MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 22nd June, 1989

#### NOTIFICATIONS

## No. 188|89-CUSTOMS

G.S.R. No. 636 (E).—In exercise, of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 243 88-Customs. dated the 1st September, 1988, namely:—

In the Table annexed to the said notification, against Sl. No. 1, in column (3). for item (xii) and the entry relating thereto, the following item and entry shall be substituted, namely:—

"(xii) Toughened glass with low iron content and transmissivity of 90% or above.".

[F. No. 346|95|89-TRU]

# सं. 189/89-सीमाशुल्क<sup>ा</sup>

सा. का. ति. 637(अ).—केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क ग्रधितियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने मर कि लोफहित में ऐसा करना आवश्यक है, मारत सरकार के विस मंजालय

(राजस्व विभाग) की मधिसूचना सं 105/86-सीमाशुरूक, तारीख 17 फरबरी, 1986 में निम्नलिखित ग्रार संशोधन करती है, ग्रर्थात्:---

उन्त प्रधिसूचना से उपाबद्ध सारणी में, मद संध्या 3 श्रीर उनी पंत्रंशित प्रविध्यि के परचात् निम्नलिखित मद ग्रीर प्रविध्यि जोड़ी जाएंगी, ग्रथांत :---

"4 कृत्रिम इलेक्ट्रॉनिक कान (कर्णावर्त रोपण)"।

[फा. सं. 346/90/89-टी मार यू]

के एल बता, उप मिवन

## No. 189|89-CUSTOMS

G.S.R. 687 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 105|86-Customs, dated the 17th February, 1986, namely:—

In the Table annexed to the said notification, after Item No. 3 and entry relating thereto, the following item and entry shall be added, namely:—

"4. Article electronic ear (Cochlear implant)".

[F. No. 346]90]89-TRU] K. L. DATTA, Dy. Secy.